भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1824

(मंगलवार, 05 अगस्त, 2025/14 श्रावण, 1947(शक) को उत्तर के लिए)

विदेशों में भारतीय सनदी लेखाकार को मान्यता प्रदान किया जाना

1824 श्री विवेक के. तन्खाः

क्या **कारपोरेट कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों में व्यावसायिक मान्यता प्राप्त करने में भारतीय सनदी लेखाकार (सीए) के सामने आने वाली कठिनाइयों की जानकारी है;
(ख) क्या भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) ने विदेशी समकक्षों, विशेष रूप से यूएई में व्यावसायिक निकायों के साथ कोई पारस्परिक मान्यता समझौते (एमआरए) पर हस्ताक्षर किए हैं;
(ग) सरकार द्वारा भारतीय सनदी लेखाकार योग्यताओं, विशेष रूप से खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र में, की वैश्विक मान्यता सुनिश्चित करने के लिए आईसीएआई को सुविधा प्रदान करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और
(घ) क्या सरकार ने यूएई सरकार के साथ इन मुद्दों को समाधान करने के लिए कोई राजनयिक या द्विपक्षीय परामर्श किया है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क): भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (आईसीएआई) व्यावसायिक पहलुओं को ध्यान में रखकर अपना निर्णय लेता है। विदेशी व्यावसायिक निकायों के साथ व्यावसायिक मान्यता करार (समझौता ज्ञापन, पारस्परिक मान्यता करार) आपसी करार के आधार पर किए जाते हैं।
(ख): आईसीएआई ने आठ प्रमुख वैश्विक लेखा निकायों के साथ पारस्परिक मान्यता करार (एमआरए) किए हैं। तथापि आईसीएआई के पास वर्तमान में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र में पेशेवर निकायों के साथ एमआरए नहीं है, आईसीएआई ने क्रमशः 21 नवंबर, 2019 और 28 जून, 2021 को कुवैत एकाउंटेंट्स एंड ऑडिटर्स एसोसिएशन और कतर फाइनेंशियल सेंटर अथॉरिटी के साथ तकनीकी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। कतर फाइनेंशियल सेंटर अथॉरिटी के साथ समझौता ज्ञापन नवीकरण के लिए प्रक्रियाधीन है।

(ग): आईसीएआई अर्हताओं की वैश्विक मान्यता को सुकर बनाने के लिए अनेक पहलें की गई हैं। इनमें यूनाइटेड किंगडम नेशनल रिकॉग्निशन इंफॉर्मेशन सेंटर (यूके एनएआरआईसी) (अब एजुकेशन सेंटर फॉर कैरियर, ट्रेनिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज (ईसीसीटीआईएस)) द्वारा आईसीएआई की योग्यता का बेंचमार्किंग शामिल है, जिसने आईसीएआई के अंतिम पाठ्यक्रम का मूल्यांकन मास्टर डिग्री और आईसीएआई के इंटरमीडिएट कोर्स के बराबर यूके और यूएई दोनों ढांचे के तहत स्नातक की डिग्री के बराबर किया है, जो सितंबर, 2024 तक वैध है। संशोधित 2023 पाठ्यक्रम के अनुरूप बेंचमार्किंग की एक नई प्रक्रिया शुरू की गई है जिसमें यूएई योग्यता ढांचे का विशिष्ट संदर्भ शामिल है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पीएचडी में प्रवेश के लिए आईसीएआई योग्यता को स्नातकोत्तर डिग्री के समकक्ष माना है। इसके अतिरिक्त, आईसीएआई ने जीसीसी क्षेत्र में संबंधित प्राधिकारियों और जीसीसी देशों में भारतीय राजनयिक मिशनों के साथ पत्राचार सहित संस्थागत संव्यवहार और आउटरीच को भी जारी रखा है ताकि इसकी अर्हता की मान्यता का समर्थन किया जा सके।

(घ): भारत सरकार ने, भारतीय मिशन के अपने आर्थिक कार्य स्कंध के माध्यम से आईसीएआई के दुबई और अबू धाबी चैप्टरों के साथ औपचारिक अभ्यावेदन और संचार के माध्यम से आईसीएआई अर्हता की शैक्षिक समतुल्यता और व्यावसायिक मान्यता के लिए संयुक्त अरब अमीरात में संबंधित प्राधिकारियों के साथ मामले को सक्रिय रूप से उठाया है।

*****